कार्यालय प्राचार्य
संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुरूद,
जिला– धमतरी (छ.ग.)
Website: www.govtcollegekurud.in
दूरभाष– 07705–296375, ई–मेल: pri-sggpgkurud.cg@gov.in
NAAC Accredited- B++

दिनांक 15.11.2022

।। सूचना ।।
शिक्षक, अभिभावक सम्मेलन

संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद, जिला– धमतरी (छ.ग.) में वर्तमान सत्र 2022–23 में अध्ययनरत् समस्त छात्र–छात्राओं के अभिभावकों का सम्मेलन दिनांक 19.11.2022 को दोपहर 02:00 बजे विज्ञान भवन– 03 के कक्ष क्रमांक– 14 में आयोजित है। इस हेतु समस्त विभागाध्यक्ष/प्राध्यापकों/सहायक प्राध्यापकों/अतिथि प्राध्यापकों को सूचित किया जाता है कि यह सूचना अपने छात्र–छात्राओं के माध्यम से उनके अभिभावक तक पहुँचाने का कष्ट करेंगे साथ ही अपने विभाग से संभावित आगुंतक अभिभावकों की संख्या श्री एम.एस.साहू विभागाध्यक्ष– भूगोल, श्री राकेश कुमार सोनकर विभागाध्यक्ष– रसायनशास्त्र, श्री हित नारायण टण्डन विभागाध्यक्ष– प्राणीशास्त्र के पास दिनांक 18.11.2022 तक उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

टीप - समस्त प्राध्यापक सहायक प्राध्यापक/
अतिथि प्राध्यापक निर्धारित समय एवं कक्ष
में अनिवार्य रूप उपस्थित रहें

(डॉ. ओ. पी. चन्द्राकर)
PRINCIPAL
S.G.G. Govt. P. G. College
Kurud, Distt. Dhamtari (C.G.)

कुरूद कॉलेज में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन हुआ, प्रोफेसर बोले- निरंतर संपर्क में रहें पालक

रायपुर, सोमवार, 21 नवंबर, 2022

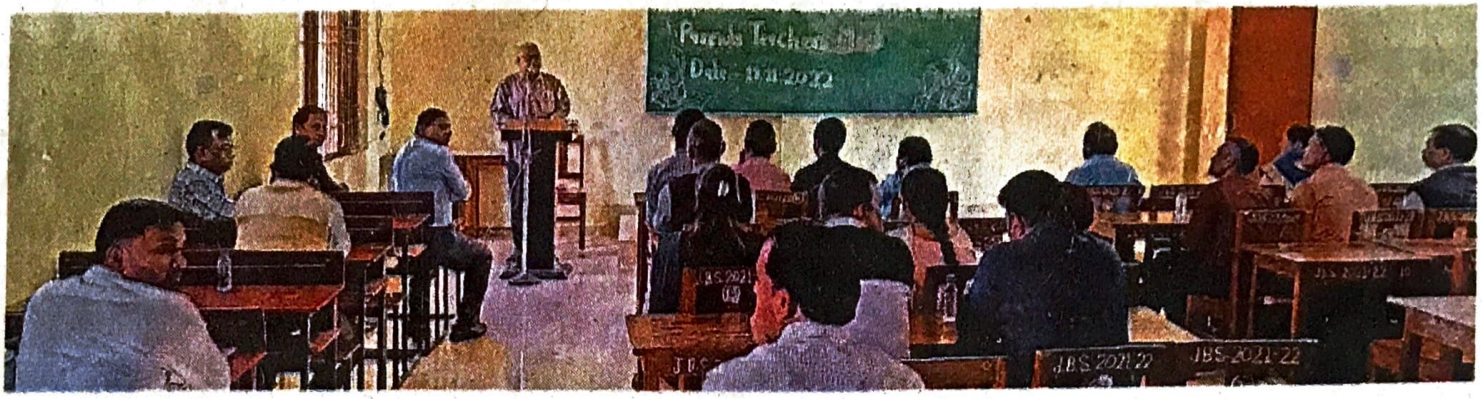

कुरूद। शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन में उद्‌बोधन देते अभिभावक व शिक्षक।

कुरूद| शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित हुए। हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. प्रभात रंजन ने कहा कि शिक्षक-अभिभावक और विद्यार्थी शिक्षण प्रक्रिया की महत्वपूर्ण धुरी है। अभिभावक को निरंतर शिक्षकों के संपर्क में रहकर शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान देना चाहिए। हिंदी विभाग के प्रमुख डॉ. आरके पाण्डेय ने कहा कि महाविद्यालय तक पहुंचते-पहुंचते बच्चे वयस्क हो जाते हैं और स्वतंत्रता चाहते हैं इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि अभिभावक अपने बच्चों का सतत निरीक्षण करते रहें।

बच्चों को स्वतंत्रता दीजिए लेकिन स्वच्छन्दता मत दीजिए। अभिभावकों में श्रीराम साहू ने कहा कि कोरोनाकाल में जो ज्ञान की हानि हुई है उसकी आपूर्ति के लिए शिक्षक और विद्यार्थी दोनों को अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है। गुहा राम निषाद ने महाविद्यालयीन शिक्षा में नैतिक शिक्षा को भी स्थान दिए जाने की बात कही। गजेंद्र कुमार साहू ने कहा कि कोरोना काल ने शिक्षक-अभिभावक और छात्रों के बीच दूरी बढ़ा दी है। अनुशासन फिर से स्थापित करने के लिए शिक्षक और अभिभावक दोनों को मिलजुलकर कार्य करने की आवश्यकता है। प्राचार्य डॉ. ओपी चंद्राकर ने कहा कि महाविद्यालय के प्राध्यापक अपने दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं निष्ठापूर्वक करते है अभिभावकों को भी अपने बच्चों से प्रतिदिन महाविद्यालय में होने वाली गतिविधियों की जानकारी लेना चाहिए।